राज्यय सभा

अतारांकित प्रश्ना सं. 2361

18 मार्च, 2015 को उत्त1र के लिए

इस्पात क्षेत्र के निष्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीति

2361. श्री बी. के. हरिप्रसाद:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों के इस्पात उद्योगों की उनके निर्धारित लक्ष्यों के मद्देनजर समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस्पात क्षेत्र के शिथिल प्रदर्शन को देखते हुए इसे बढ़ावा देने संबंधी हाल में बनाई गई प्रमुख नीति, लिए गए/विचाराधीन निर्णयों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) आने वाले वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात उपक्रमों के आधुनिकीकरण का सामान्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम-वार संरचनात्मंक पुनरूद्धार तथा विशेष रूप से सेल के लिए किए गए/प्रस्तावित निवेश तथा प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तशर

इस्पाजत और खान राज्यं मंत्री श्री विष्णुस देव साय

(क) और (ख) इस्पा ात मंत्रालय अपने सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के कार्य निष्पा दन की नियमित रूप से समीक्षा करता है। इन बैठकों में अन्या मंत्रालयों/विभागों और साथ ही अन्यर राज्यं सरकारों के साथ उठाए जाने वाले सी.पी.एस.ई. के लंबित मुद्दों को अभिज्ञात/पहचान की जाती है और उन पर कार्रवाई की जाती है।

इस्पा त एक नियंत्रणमुक्तम क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधादाता मात्र के रूप में होती है तथा इस प्रकार, सरकार का निजी क्षेत्र के इस्पाकत उद्योग के कार्य निष्पा्दन पर कोई नियंत्रण नहीं है।

(ग) सरकार ने इस्पा त क्षेत्र समेत विभिन्नी क्षेत्रों के लिए कच्चेष माल की उपलब्धनता को सुविधाजनक बनाने के लिए माइन्सा एंड मिनरल्सन (डेवलपमेंट एंड रेगूलेशन) एमेंडमेंट ऑर्डिनेन्सल़ 2015 और कोल माइन्सइ (स्पेसशल प्रोविजन्सल) ऑर्डिनेन्स 2014 जारी किया है।

(घ) स्टीाल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी क्रूड इस्पाेत उत्पाडदन क्षमता को वर्तमान चरण में 12.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए भिलाई , बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर और बर्नपुर स्थित अपने पांचों एकीकृत इस्पाटत संयंत्रों तथा सेलम स्थित विशेष इस्पाेत संयंत्रका आधुनिकीकरण एवं विस्ताढर कार्य आरंभ किया है। आधुनिकीकरण एवं विस्ता र के वर्तमान चरण का संकेतात्म्क निवेश लगभग 61 ,870 करोड़ रूपए है। इसके अतिरिक्त , विद्यमान खानों और रावघाट खान के विकास में निवेश के लिए 10,264 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

सेलम इस्पाैत संयंत्र में विस्तानर परियोजना पूरी कर ली गई है तथा राउरकेला और इस्कोड इस्पाइत संयंत्रों में एकीकृत प्रोसेस रूट के तहत सभी सुविधाएं प्रचालन में हैं स्थिर हो चुकी है और प्रगति पर है।

बोकारो, दुर्गापुर और भिलाई इस्पा त संयंत्रों में पूरी की गई सुविधाओं से प्रचालन शुरू हो गया है।

आरआईएनएल ने लगभग 14701 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से आधुनिकीकरण एवं विस्ताेर योजना आरम्भर की हैचरण-1 विस्ताएर के तहत यूनिटें कमीशन कर ली गई हैं और वे नियमित रूप से प्रचालन कर रही हैं।

***